



Mr.satym kumar pathak



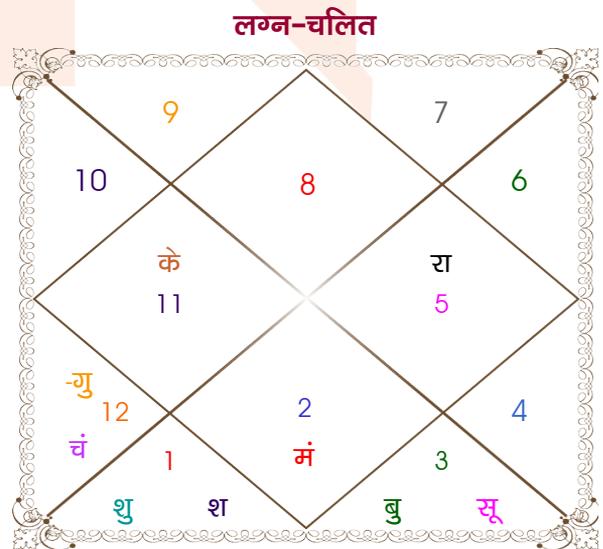
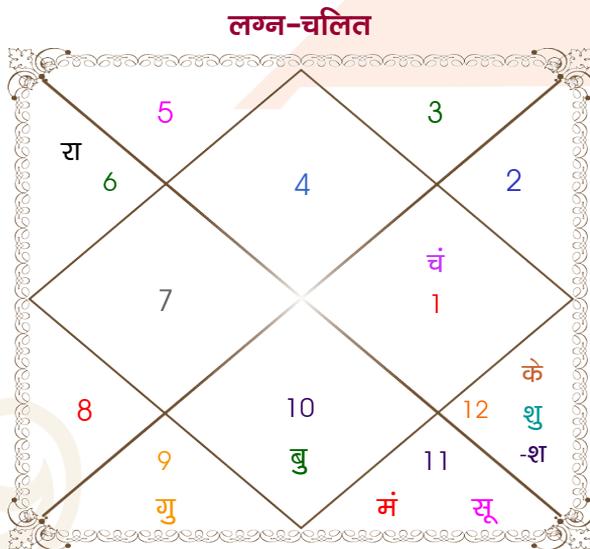
Nishu mishra

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121013202

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 24/02/1996 : _____ जन्म तिथि _____ : 18/06/1998
 शनिवार : _____ दिन _____ : गुरुवार
 घंटे 16:02:00 : _____ जन्म समय _____ : 17:11:35 घंटे
 घटी 24:25:54 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 30:22:09 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Ranchi : _____ स्थान _____ : Barkagaon
 23:22:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 25:27:00 उत्तर
 85:20:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 84:08:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे 00:11:20 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : 00:06:32 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:15:38 : _____ सूर्योदय _____ : 05:02:59
 17:48:40 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:46:02
 23:48:19 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:50:00

विंशोत्तरी शुक्र 8वर्ष 8मा 30दि मंगल 24/11/2020 25/11/2027		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 16वर्ष 7मा 7दि शुक्र 24/01/2022 24/01/2042	
मंगल	22/04/2021	18:19:38	कर्क	लग्न	वृश्चि	13:14:00	शुक्र	26/05/2025
राहु	10/05/2022	11:17:52	कुंभ	सूर्य	मिथु	03:12:33	सूर्य	26/05/2026
गुरु	16/04/2023	20:50:02	मेष	चंद्र	मीन	16:58:40	चन्द्र	25/01/2028
शनि	25/05/2024	13:16:01	कुंभ	मंगल	वृष	23:56:03	मंगल	26/03/2029
बुध	22/05/2025	18:03:39	मक	बुध	मिथु	13:01:46	राहु	26/03/2032
केतु	18/10/2025	16:58:47	धनु	गुरु	मीन	02:50:42	गुरु	25/11/2034
शुक्र	19/12/2026	24:07:04	मीन	शुक्र	मेष	29:01:46	शनि	24/01/2038
सूर्य	25/04/2027	00:55:43	मीन	शनि	मेष	07:01:51	बुध	24/11/2040
चन्द्र	25/11/2027	24:10:02	कन्या	राहु	सिंह	10:04:31	केतु	24/01/2042
		24:10:02	मीन	केतु	कुंभ	10:04:31		
		08:39:11	मक	हर्ष	मक	18:30:41		
		02:50:53	मक	नेप	मक	07:49:22		
		09:16:43	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	12:17:47		



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	गज	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

इतर्णेजलउ इनतं चंजीा का वर्ग मृग है तथा छपीन उपीतं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार इतर्णेजलउ इनतं चंजीा और छपीन उपीतं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

इतर्णेजलउ इनतं चंजीा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते ।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते ।।**

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल इतर्णेजलउ इनतं चंजीा कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

छपीन उपीतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते ।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते ।।**

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र

लाइन तलाव रांची झारखंड

9835195382

9835195382

क्योंकि मंगल छपीन उपीतं कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि छपीन उपीतं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु इतर्णेजलउ इनउंत चंजीा कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

इतर्णेजलउ इनउंत चंजीा तथा छपीन उपीतं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र

लाइन तलाव रांची झारखंड

9835195382

9835195382